बटलर के शतक से खिलाड़ियों के एलीट एथलीट होने की जरूरत का पता चलता है: मूडी

कोलकाता, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जोस बटलर के

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इस आईपीएल का अपना दूसरा शतक जड़ने के बाद कहा कि उनका मैच विजयी शतक पेशेवर क्रिकेटरों के लिए भी विशिष्ट एथलीट बनने की जरूरत को उजागर करता है। बटलर (60 गेंदों पर नाबाद 107 रन) धीमी शुरुआत और तेजी से बढ़ती रन गति के दबाव के बावजूद अंत तक क्रीज पर डटे रहे और सुनील नारायण (109) के शतक को बौना साबित करते हुए अंतिम गेंद पर रॉयल्स को जीत दिलाई।

मूडी ने कहा, 'वह आगे बढ़ता रहा क्योंकि वह एक एलीट एथलीट है और यह दिखाता है कि आज टी20 क्रिकेट या क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में आपको एक एलीट एथलीट होने की आवश्यकता है। आप केवल एक कुशल खिलाड़ी बनकर बच नहीं सकते और वह समय बीत चुका है। चोट के कारण पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान के पिछले मैच से बाहर रहे बटलर दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरने के बावजूद डटे रहे। मूड़ी ने कहा, 'वह एक एलीट एथलीट है इसीलिए वह अब भी आखिरी गेंद पर विजयी रन बनाने के लिए खड़ा है। यह बेहद सरल है, वह बीमारी से वापस आ रहा है, वह बहुत तेजी से वापसी करने में कामयाब रहा क्योंकि वह मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में ओपनिंग कर सकते हैं कोहली

बीसीसीआई मीटिंग में हुई चर्चा, जून में खेला जाएगा टी-20 वर्ल्ड कप

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टार बैटर विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग कर सकते हैं। इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी-20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पिछले हफ्ते मुंबई में एक मीटिंग की है। इस मीटिंग में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, हेड कोच राहुल द्रविड़ और चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मौजूद रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मीटिंग में रोहित के साथ विराट कोहली को ओपनिंग करने का मौका देने पर चर्चा हुई है। कुछ समय पहले कोहली ने टीम मैनेजमेंट से उनके टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने पर स्पष्टता मांगी थी। रिपोर्ट के अनुसार टीम मैनेजमेंट ने उन्हें इस पर स्पष्टता दे भी दी है।

कोहली का कुछ महीने पहले तक टी-20 वर्ल्ड कप में खेलना तय नहीं था

दरअसल, कुछ समय पहले तक टी-20 वर्ल्ड कप टीम में कोहली की जगह को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के बाद जब रोहित, द्रविड़ और सेलेक्टर्स की मीटिंग हुई तो टी-20 टीम में कोहली की जगह पक्की नहीं थी, लेकिन पिछले कुछ महीनों में बहुत कुछ बदल गया है।

लगभग दो साल बाद टी-20 इंटरनेशल में लौटे

रोहित और कोहली ने 2022 टी-20 विश्व कप के बाद से 2023 वनडे वर्ल्ड कप तक कोई भी टी-20 मैच नहीं खेला था। कोहली ने इस साल जनवरी में अफगानिस्तान की घरेलू सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया। वे और रोहित इस सीरीज से लगभग दो साल में पहली बार टी-20 इंटरनेशल में लौटे। उन्होंने दो मैचों में अपने फेवरेट पोजीशन नंबर-3 पर बैटिंग की। इस सीरीज में यशस्वी जयसवाल ने रोहित के साथ इनिंग की शुरुआत की। हालांकि, जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप ओपनिंग प्लेयर्स बदल सकते हैं।

मौजूदा सीजन में ओपनिंग करते हुए ऑरेंज कैप होल्डर

कोहली पिछले कुछ सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए ओपनिंग करते रहे हैं। वे इसी सीजन भी ओपनिंग करते हुए सात मैचों में 147 की स्ट्राइक रेट से 361 रन के साथ ऑरेंज कैप होल्डर हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक भी लगाया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ओपनिंग कर चुके हैं कोहली

कोहली ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे में बतौर ओपनर बैटर की थी। कुछ समय बाद वे नंबर 3 स्लॉट पर चले गए। कोहली का टी-20 इंटरनेशनल में बतौर ओपनर बैटर रिकॉर्ड काफी अच्छा है। पूर्व कप्तान ने 9 मैचों में 400 रन बनाए हैं। 1

शशांक सिंह ने कहा

क्रिकेट छोड़ने के कगार से लेकर आईपीएल तक पहुंचने का सफर चुनौतीपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। शशांक सिंह 2017 से आईपीएल का हिस्सा हैं। पहले दिल्ली डेयरडेविल्स (अब डीसी) के साथ, फिर राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और अब पंजाब किंग्स के साथ ये खिलाड़ी जुड़ा है। लेकिन उन्हें इस दौरान कई मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि, इस सीज़न में जब उन्हें मौका मिला, तो 32 वर्षीय ऑलराउंडर ने सबका दिल जीत लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ साल पहले जब चीजें सही नहीं चल रही थी और उन्हें अपने करियर में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ रहा था, तब वह क्रिकेट छोड़ने के बारे में सोच रहे थे। लेकिन उस समय उनका परिवार उनके सपोर्ट में रहा और उनके संघर्षों में उनका साथ दिया। उनके परिवार और करीबी लोगों ने उन्हें खेलना जारी रखने के लिए प्रेरित किया। बातचीत में शशांक ने अपनी इस संघर्षपूर्ण यात्रा और अपने पिता की भूमिका के बारे में बात की, जो उन्हें भारतीय जर्सी में देखना चाहते थे। शशांक ने कहा कि मेरे पिता आईपीएस हैं, मेरी बहन एक मैकेनिकल इंजीनियर है और मेरी मां ने इतिहास में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। क्रिकेट खेलना और भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे पिता का सपना था। शुरुआत में क्रिकेट खेलना मेरा सपना भी नहीं था, ये मेरे पिता का सपना था। वह मुझे गेंदबाजी करते थे और मेरे अभ्यास के लिए मैदान किराए पर लेते थे। एक या दो साल पहले, मैंने क्रिकेट छोड़ने के बारे में सोचा और मैंने कोई बिजनेस करने के बारे में सोचा। लेकिन मेरे परिवार ने मेरा बहुत समर्थन किया और मुझसे खेलते रहने का आग्रह किया। मेरी यात्रा में उतार-चढ़ाव हैं, जो हर पेशेवर क्रिकेटर के जीवन में होते हैं। पहले 2 से 3 फ्रेंचाइजी में मुझे मौका नहीं मिला, फिर जब मुझे एसआरएच में मौका मिला तो वहां बल्लेबाजी अच्छी नहीं थी। लेकिन आईपीएल में मौका मिलना अपने आप में किसी भी घरेलू खिलाड़ी के लिए बड़ा मौका होता है। जब मैं पंजाब किंग्स में आया, तो प्रबंधन ने बहुत स्वागत किया। हमारे अभ्यास मैच अच्छे थे और मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, इसलिए मुझे यहां मौका मिला। जब आप अच्छे क्षेत्र में रहते हैं तो आप उसी आत्मविश्वास के साथ मैच में उतरते हैं।

ऑलराउंडर ने आगे कहा कि घरेलू सीजन भी बहुत अच्छा गया था और मैं वही आत्मविश्वास यहां लेकर आया। अगर आप गुजरात टाइटंस के मैच के बारे में बात करते हैं, तो मैं कहूंगा कि मुझे नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने का मौका मिला जब 8-9 ओवर बचे थे। इसलिए, मैंने इसे एक अवसर के रूप में देखा और सोचा कि इसे दोनों हाथों से कैसे भुनाया जाए। उस समय मैच जीतना मेरे दिमाग में नहीं था, मेरे दिमाग में केवल एक ही बात चल रही थी कि मैच को गहराई तक कैसे ले जाएं। फिलहाल, मेरी यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी रही है लेकिन मुझे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। 4 अप्रैल को शंशाक ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 29 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए और अपनी टीम पंजाब किंग्स की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले साल, वह 2023-24 विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान मणिपुर के खिलाफ 150 रन बनाने और पांच विकेट लेने वाले पहले भारतीय लिस्ट ए-क्रिकेटर बने। दिसंबर 2023 में उन्हें 2024 आईपीएल के लिए पंजाब किंग्स टीम ने 20 लाख रुपये में खरीदा था।

टी20 विश्वकप तक मुश्ताक अहमद होंगे बंगलादेश के स्पिन कोच

ढाका, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर मुश्ताक अहमद को टी20 विश्वकप तक बंगलादेश का स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया गया है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि मुश्ताक अगले महीने जिबाब्वे के साथ होने वाली टी-20 सीरीज से पहले ढाका में लगने वाले शिविर में पहुंचेंगे।

मुश्ताक ने कहा, 'बंगलादेश क्रिकेट टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच चुना जाना सम्मान की बात है। मैं इस भूमिका की प्रतीक्षा कर रहा हूं और खिलाड़ियों को अपना सारा अनुभव देना चाहता हूं क्योंकि वह सीखने लायक हैं और मुझे हमेशा लगता है कि यह टीम बहुत खतरनाक टीम है। वे किसी को भी हरा सकते हैं क्योंकि उनमें क्षमता और कौशल है। मैं उनमें विश्वास बढ़ाने का प्रयास करूंगा। मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। मुश्ताक, रंगना हेराथ की जगह लेंगे। हेराथ जून 2021 से दो साल तक इस पद पर रहे। मुश्ताक प्रमुख कोच चंद्रिका हथुरुसिंघे, सहायक कोच निक पोथास, बल्लेबाजी कोच डेविड हेंप और तेज गेंदबाजी कोच आंद्रे एडम्स के साथ जुड़ेंगे। मुश्ताक का स्पिन गेंदबाजी कोच के तौर पर लंबा करियर रहा है। वह 2008 से 2014 के बीच इंग्लैंड की पुरुष टीम के साथ रहे। वह 2014 से 2016 और 2020 से 2022 तक पाकिस्तान के स्पिन गेंदबाजी कोच के पद पर रहे। वह 1992 विश्वकप जीतने वाली पाकिस्तान टीम का हिस्सा थे। उन्होंने अपने करियर में 144 एकदिवसीय और 52 टेस्ट खेले। वह काउंटी में भी सक्रिय रहे और 1993 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। मुश्ताक थोड़े ही समय के लिए टीम से जुड़े हैं लेकिन रिशाद हुसैन जैसे खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार इस दिग्गज स्पिनर के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है।

पैरा तीरंदाज शीतल का शानदार प्रदर्शन

खेलो इंडिया राष्ट्रीय मीट में सक्षम खिलाड़ियों के बीच जीता रजत

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई पैरा खेलों की स्वर्ण विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता। वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं। डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं। इस साल की शुरुआत में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ हुआ था। वह पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं जिनकी बांह नहीं है। डिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की प्रेस विज्ञप्ति में शीतल के हवाले से कहा गया, ''इस नतीजे से मुझे अंतरराष्ट्रीय मंचों और ओलंपिक में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।'' एकता को स्वर्ण पदक जीतने के लिए 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिली जबकि शीतल को 40 हजार रुपये मिले। टूर्नामेंट तीन श्रेणियों - सीनियर, जूनियर और सब जूनियर रिकर्व तथा कंपाउंड वर्ग में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में 87 तीरंदाजों ने भाग लिया।

पेरिस ओलंपिक : बिना तैयारियों के ओलंपिक क्वालिफायर खेलेंगे पहलवान

टूर्नामेंट के लिए नहीं लगा तैयारी शिविर

नई दिल्ली, एजेंसी। सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती पर विवादों के साये ने ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पहलवानों की तैयारियों को छीन लिया। भारतीय टीम के पहलवान बिना तैयारियों के देश को पेरिस ओलंपिक का

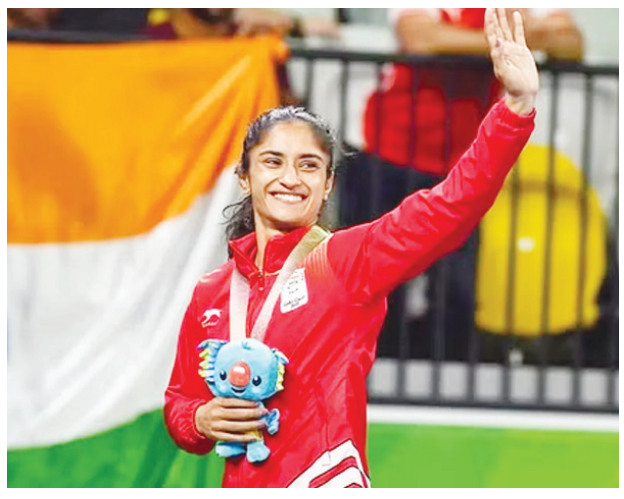

कोटा दिलाने बिश्केक (किर्गिस्तान) रवाना हो गए। ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पुरुष और महिला पहलवानों का कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया गया। पहलवान अपने स्तर पर अखाड़ों में तैयारी कर क्वालिफायर में उतरने जा रहे हैं। अभी तक भारत को कुश्ती में सिर्फ एक ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंतिम पंघाल ने दिलाया है।

महासंघ ने विनेश का भी डाला था नाम - सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती महासंघ ने 27 मार्च से पुरुषों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का शिविर गांधीनगर या पटियाला, बंगलूरू में लगाने की सिफारिश साई से की थी। शिविर में ग्रीकोरोमन, फ्रीस्टाइल और महिला वर्ग के 120 से अधिक पहलवानों का नाम दिया गया था, जिसमें विनेश फोगाट समेत ओलंपिक क्वालिफायर की टीम में शामिल पहलवान भी शामिल थे। महासंघ के प्रस्ताव पर साई ने कोई फैसला नहीं लिया।

महासंघ ने भी लगाया शिविर - साई की ओर से शिविर को मंजूरी नहीं दिए जाने के बाद कुश्ती महासंघ ने भी अपने स्तर पर टूर्नामेंट के लिए कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया। जिसके चलते पहलवान अपने स्तर पर ही तैयारियां करने को मजबूर रहे। क्वालिफायर की फ्रीस्टाइल टीम में अमन (57), सुजीत (65), जयदीप (74), दीपक पूनिया (86), दीपक (97), सुमित (125) और महिला टीम में विनेश (50), अंशु (57), मानसी (62), निशा (68), रीतिका (76 भार वर्ग) शामिल हैं। विनेश को छोड़ 16 पहलवान मंगलवार की सुबह बिश्केक रवाना हुए हैं।

कैंडिडेट्स शतरंजः

नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर गुकेश की बढ़त कायम, प्रगनानंदा और गुजराती ने भी ड्रॉ खेला

टोरंटो (कनाडा) एजेंसी। दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। डी गुकेश ने 10वें दौर के बाद अकेली बढ़त पर आने का मौका खो दिया। गुकेश ने अपने साथ बढ़त साझा कर रहे रूस के इयन नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेला। अगर इस बाजी में वह जीतते तो अकेली बढ़त पर आ सकते थे। अब दोनों खिलाड़ियों के छह-छह अंक हैं और दोनों अभी भी संयुक्त बढ़त पर हैं। वहीं आर प्रगनानंदा (5.5) और विदित गुजराती (5) के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। कारुआना (5.5) ने फ्रांस के

फिरोजा अलीरेजा (3.5) को और नाकामुरा (5.5) ने अजरबैजान के निजात एबासोव (3) को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली (3.5) ने हार का क्रम तोड़ते हुए बुल्गारिया की नुरग्यूल सालिमोवा (4) को हराया। महिला वर्ग में चीन की झोंगयी तान और ली टिंगजी 6.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

गुजराती ने प्रगनानंदा को आसानी से ड्रॉ पर रोका - गुकेश के खिलाफ नेपोमनियाच्ची सफेद मोहरों से खेल रहे थे। शुरुआत में गुकेश समय के दबाव में भी फंसे। बावजूद इसके वह उन्होंने नियंत्रण बनाकर रखा। हालांकि नेपोमनियाच्ची काफी संभलकर खेल रहे थे और जोखिम लेने के मूड में कतई नहीं दिखे। वह 10 दौर के बाद टूर्नामेंट में अकेले खिलाड़ी हैं, जो अब तक हारे नहीं हैं। प्रगनानंदा को भी अभी तक टूर्नामेंट में एक हार गुकेश के खिलाफ मिली है। वह गुजराती के खिलाफ सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती ने उनके खिलाफ बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया और आसानी से बाजी ड्रॉ करा सी। 11वें दौर में प्रगनानंदा नाकामुरा से, गुकेश कारुआना से और गुजराती नेपोमनियाच्ची से भिड़ेंगे।

हंपी और झोंगयी के बीच हुआ संघर्ष - महिला वर्ग में ली टिंगजी ने रूस की अलेक्जेंद्रा गोर्याचकिना (5.5) के अपराजेय क्रम को तोड़ दिया। टिंगजी की पिछले पांच दौर में यह चौथी जीत रही। वहीं उनके साथ संयुक्त बढ़त पर चल रहीं झोंगयी तान ने कोनेरू हंपी (4.5) के साथ ड्रॉ खेला। हंपी पांचवें स्थान पर हैं। उन्हें खिताब की दौड़ में आने के लिए जीत हासिल करनी थी। दोनों ने 72 चाल में ड्रॉ खेला। वैशाली ने 88 चाल में छह घंटे के संघर्ष में सालिमोवा को हराया।

टी20 विश्व कप में खेल सकते हैं सुनील नारायण ? शतक के बाद दिए संकेत

कोलकाता, एजेंसी । क्या घर पर होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने के लिए सुनील नारायण संन्यास से वापसी करेंगे? कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए राजस्थान रॉयल्स के ख़िलाफ़ शतक लगाने के बाद नारायण ने कम से कम यही संकेत दिए हैं। मैच के बाद नारायण ने कहा, अभी तो फ़िलहाल मैंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया हुआ है, लेकिन देखते हैं कि भविष्य में क्या होगा। नारायण ने पिछले साल नवंबर में संन्यास लिया था और कहा था कि वह घर पर बैठकर ही टी20 विश्व कप का आनंद लेंगे। मैच के बाद वेस्टइंडीज़ के टी20 कप्तान और इस मैच में नारायण के विपक्षी खिलाड़ी रोवमन पॉवेल ने भी स्वीकार किया कि वह लगातार नारायण के फ़ैसले को बदलवाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले 12 महीनों से मैं लगातार नारायण के कानों में फुसफुसा रहा हूं कि वह संन्यास से वापसी कर लें। हालांकि वह किसी की नहीं सुनते। मैंने इस बारे में कीरोन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो और निकोलस पूरन से भी बात की है। उम्मीद है कि जब तक टीम का चयन होगा, तब तक नारायण और सब लोग मिलकर इस बारे में कोई फ़ैसला ले लेंगे।जीत के बाद पॉवेल ने कहा, टीम का मनोबल बहुत ऊंचा है। जब मैं खेल भी नहीं रहा होता हूं, तब भी टीम प्रबंधन के लोग मुझसे एक स्पष्ट वार्तालाप रखते हैं। मैंने उनसे कहा है कि मैं वेस्टइंडीज़ के लिए चार या पांच नंबर पर बल्लेबाज़ी करता हूं, इसलिए मुझे ऊपर भी भेजा जा सकता है।